Total No. of Questions : 10

Total No. of Printed Pages : 2

Roll No. .....

BH-5393

B.B.A., III Semester Examination,
December-January : 2025-2026
(Ability Enhancement Course (AEC-03))
HINDI LANGUAGE

Time : Two Hours] [*Maximum Marks* : 35

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–अ

1. निम्नलिखित **वस्तुनिष्ठ प्रश्नों** के उत्तर दीजिए। $5 \times 1 = 5$

   i) निराला की कौन-सी कविता आपके पाठ्यक्रम में संकलित हैं?

   ii) 'भोलाराम का जीव' किस विधा की रचना हैं?

   iii) 'चोरी और प्रायश्चित' निबंध के लेखक कौन हैं?

   iv) 'यद्यपि' में कौन-सी संधि हैं?

   v) 'चंद्रमा' के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।

2. निम्नलिखित **लघु उत्तरीय** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । $5 \times 2 = 10$

   a) 'भारत माता' कविता का मूलभाव स्पष्ट कीजिए।

   b) 'भोलाराम का जीव' में वर्णित मुख्य समस्या क्या हैं?

   c) 'चोरी और प्रायश्चित' निबंध का मूल उद्देश्य समझाइए।

   d) 'किरण' तथा 'वायु' के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए।

   e) 'उज्जवल', 'प्रसंशा' व 'कवियत्री' के शुद्ध रूप लिखिए।

खण्ड–ब
(वर्णनात्मक प्रश्न)

नोट : प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। $4 \times 5 = 20$

इकाई–I

3. 'भारत माता' कविता के आधार पर भारत माता के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

अथवा

4. 'भोलाराम का जीव' पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

cguniversities.com | Join WhatsApp Channel

Join our WhatsApp Channel for FREE Question Papers, Syllabus & Exam Updates
More papers: cguniversities.com | Tap here to join
JOIN NOW >

इकाई–II

5. संधि की परिभाषा देते हुए इसके भेदों को उदाहरणसहित समझाइए।

अथवा

6. तत्पुरुष समास का परिचय दीजिए तथा इसके प्रकारों को सोदाहरण समझाइए।

इकाई–III

7. मुहावरे और लोकोक्ति में अंतर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

8. पारिभाषिक शब्दों की विशेषताएँ बताते हुए इसके महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

इकाई–IV

9. 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020' शीर्षक पर निबंध लिखिए।

अथवा

10. निम्नलिखित अपठित गद्यांश का उचित शीर्षक देते हुए इसका सारांश लिखिए।

गुरू से ज्ञान प्राप्त करने के केवल तीन उपाय हैं – नम्रता, जिज्ञासा और सेवा। इनमें नम्रता का स्थान प्रथम हैं। अतः एक आदर्श विद्यार्थी को विनम्र होना चाहिए। नम्रता के साथ-साथ उसे अनुशासन-प्रिय भी होना चाहिए। जो विद्यार्थी अनुशासनहीन होते हैं, वे अपने देश, अपने माता-पिता, अपने गुरूजन के लिए अप्रतिष्ठाकारक होते हैं। अनुशासनहीन छात्र का न तो मानसिक विकास होता हैं और न ही बौद्धिक, वह उन गुणों से सदैव-सदैव के लिए वंचित हो जाता हैं जो मनुष्य को प्रतिष्ठा के पद पर आसीन करते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में अनुशासन का विशेष महत्त्व हैं। अनुशासित छात्र हो आदर्श विद्यार्थी की श्रेणी में आ सकता हैं। आज के युग का छात्र अनुशासन-हीनता दिखाने में अपना गौरव समझता है, इसलिए देश में सभ्य नागरिकों का अभाव-सा होता चला जा रहा हैं, क्योंकि आज का विद्यार्थी ही कल का नागरिक बनता हैं।

❑❑❑❑

cguniversities.com | Join WhatsApp Channel

Join our WhatsApp Channel for FREE Question Papers, Syllabus & Exam Updates
More papers: cguniversities.com | Tap here to join
JOIN NOW >